1. Acc. No: → 50529. सुन्दर सँगार। सुन्दर कवि कृत।

2. Acc. No: → 50530. नामदेव जी की परिचई।

3. Acc. No: → 50531. तिलोचन जी की परिचई। अनन्तदास कृत।

4. Acc. No: → 50532. अंगद जी की परिचई। अनन्तदास कृत।

5. Acc. No: → 50533. प्रह्लाद लीला।

अंगद जी की परिचई by- अनन्तदास।

6. Acc. No: → 50534. कबीर के दोहे।

7. Acc. No: → 50535. शकुनावली।

8. Acc. No: → 50536. सुखदेव लीला।

9. Acc. No: → 50537. ध्रुव चरित्र।

10. Acc. No: → 50538. कलजुग पचीसी

11. Acc. No: → 50529. सुन्दर सँगार। सुन्दर कवि कृत।

टपरे॥जगतके कारिज सारे॥ह
मसे अधम उधारि॥किये नरक
ते न्यारे॥सुर नर मुनि गंन गंध्र
फ के॥सब को रुवो नीवासु॥सक
ल संत रछ्या करै॥गुन गावैज
नु रैदासु॥यह है गुन हृदयौं॥६
ती श्री प्रहलाद लीला संपूरी
अथ सहज को अंग चल्यो॥क
बीर सहज सहज सब को कहै॥
सहज न चीनै कोय॥ज्यौ सहजा॥
बिषीया तजे॥सहज कहावै सोय
१॥कबिर सहज सहज सब को क

तरकरत्नागी:उपरसर पानी:
डीचनीच सर नागरसाचारा:

है॥सहजनचिंनैकोय॥पाचौरा
षैपसरता॥सहजकहावैसोय
२॥कबिरसहजैसहजैसबगया
गुणइंद्रिकानांस॥नेहकांम
स्यौमननिसिन्या॥काटकरमकी
फास॥३॥कबिरसहजैसहजैस
बगया॥सुतवितकांमनाका
म॥येकमयेकहैमिलरह्या
रासकविरारांम॥४॥कबिरस
हजसहजसबकोकहै॥सहजै
विनैकोय॥ज्योहोसहजसाईमे
लै॥सहजकहावैसोय॥५॥कबी

श्रीगुरुग्रंथसाहिब जी ग ग गगी:

रसहजैसहजैहोयगा॥जोकुछ
लीबीयारांमे॥काहेकौकलप
तफिरै॥दुषिहोतबेकाम॥६॥

साचकोअंगचलौ॥कबिरसा
चबरीबातपनहीं॥झूठहैहरिदू
रिहै॥साचामैहरिआय॥१॥कबि
रसाचाबोलेसचिरहैसाचा
सबरकहाय॥साचमैसाईर
है॥ताजोजीकालनषाय॥२॥
कबिरसाचकुतोमारयौ॥झु
ठैजुगपतीयाय॥कलजुगका
लीकुंकरी॥जैछेडुतोषाय॥३॥

कबीर साईसेती साचचलि ॥ सा
ईसाच सुहाय ॥ भावै लाबा के
स कर ॥ भावै घर डमु काय ॥ ४ ॥
कबिर पुजी साहकी ॥ तु जिनक
रै षुवार ॥ षरीबी गुचरण होयगी
लेषे रेति बार ॥ ५ ॥ कबीर लेषा
दीनासो हरा ॥ जो दील साचा हो
य ॥ साहब का दरबार मे ॥ पल्ला
न पकडे कोय ॥ ६ ॥ कबिर चीतच
म कीया ॥ कीया पयाण दुरका
पोथी कागद काढीया ॥ तब हर
जह लेषा दूर ॥ ७ ॥ कबिर कायथ

लेषाकाढिया॥ तबलेषावार
नेपार॥ जेबलगासाससरीरमे
तबलगरामसनारी॥५॥ कबीर
इसबकुठीबंदगी॥ बरीयापंच
नीवाज॥ साचहामरैऊठापढि॥
काजीकरैअकाज॥६॥ अरनबी
धूसकोअंगचल्यो॥ कबिरपाह
रनकेरीपूतली॥ करीहूजैकरता
र॥ आहीमेरोसैजेरहा॥ बुझकाली
धार॥१॥ कबीरकाजलकेरिकोट
ऊ॥ मसीकाकीयाकपाट॥ पाहनु
वाहीप्रछमी॥ पंऊतपाडीबाट॥२॥

कबिरपाहरणू कुंकूपूजय।।जन
मनदइजाव।।औधानरआसा
मुषी।।षुहीषावैआव।।३।।कबिर
हमनीपाहरणपूजते।।जवहोते
रिणकेरोझ।।सतगुरकीकीरपा
नेइ।।ताराल्यासीरकेबोझ।।४।।
कबिरजेतीदीसेआतमा।।तेता
सालगराम।।बोलतरणाहरीपूजी
ये।।नहीपाहरणस्यौकाम।।५।।कबी
रधरजीरवरकरताकीया।।सोकौ
रहैअपूज।।ताहीफोडरविलारच्या
परमेसरस्यौदुर।।६।।कबीरसुतर

घारघारच्या॥पाहनकाजगदी
स॥मोललीयोबोलैनही॥खोटावी
सवाबीस॥७॥कबीरपथरपाणी
पूजकरी॥पचपचीमुवासंसार
बेरलफिरहारहगया॥कोईबीरला
उतारैपार॥८॥कबिरपथरहीका
देहरा॥पथरहीकादेव॥पूजणहा
राआंधला॥क्यौकरमानैसेव॥९॥
कबीरपथरपाणमनकोइपूजो
सेवाजासीबादि॥कैसेवाकरिसंत
की॥केहरिकेसुमरणलागी॥१०॥
कबीरसेवासफलगरामनकी॥मनकी
चेमतानजाय॥सीतलतासुपनैनाही
हीनदिनदूणीलाय॥११॥

॥ श्रीगणेशाय नमः श्रीशारस्वतै नमः

श्रीकृस्णो जयते	१२	गांव चालिबाकी
१ धरोहरि	१३	परचे कि प्रश्न
२ उधारो देवो	१४	बैरप्रश्न
३ चौबध	१५	जयप्रश्न
४ अस्त्रीप्रश्न	१६	धोराप्रश्न लेबेकी
५ बैद्य	१७	खेतीकी प्र०
६ कुरंग	१८	बंदीपरेकी
७ गाव बसाइवो	१९	चौपा पोलेबे
८ धरनाकी	२०	कामकाजकी
९ बस्तु गइ	२१	रोगीकी
१० जुवाकी	२२	चिंतामनकी
११ पानीकी	२३	घर जाबेकी

शोलुनावली।